



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 642]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 21, 2004/आषाढ़ 30, 1926

No. 642]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 21, 2004/ASADHA 30, 1926

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2004

का.आ. 833(अ).—यतः केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि नागालैण्ड राज्य की सम्पूर्ण सीमा के भीतर आने वाले क्षेत्र में ऐसी अशान्त या खतरनाक स्थिति है जिससे वहां नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग करना आवश्यक है;

अतः अब, सशस्त्र बल (असम एवं मणिपुर) विशेष शक्तियां (संशोधन) अधिनियम, 1972 (1972 का संख्यांक 7) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, एतद्वारा, उपर्युक्त राज्य को 21 जुलाई, 2004 से एक वर्ष के लिए अशान्त क्षेत्र घोषित करती है।

[फा. सं. 7/10/2003-एन.ई. I]

राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 21st July, 2004

S.O. 833(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the area comprised within the limits of the whole of the State of Nagaland is in such a disturbed or dangerous condition that the use of armed forces in aid of the civil power is necessary;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Armed Forces (Assam and Manipur) Special Powers (Amendment) Act, 1972 (No. 7 of 1972) the Central Government hereby declares the whole of the said State to be a disturbed area for a period of one year beyond 21st July, 2004 for the purposes of that Act.

[F.No. 7/10/2003-NE.I]

RAJIV AGARWAL, Jt. Secy.